

Release of fighters for Goa's freedom functions. His attention has, however, been informally drawn to this.

*29. **Shri Sequedra:**
Shri Tridib Kumar
Chaudhuri:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Onkar Singh:
Shri Eswara Reddy:
Shri Ram Kishan Gupta:
Dr. Karni Singh:
Sudimati Nirlep Kaur:
Shri George Fernandes:
Shri J. H. Patel:
Shri Madhus Limaye:
Shri S. M. Banerjee:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri Kanwar Lal Gupta:
Shri R. S. Vidhyarthi:
Shri Atam Das:
Shri Jagannath Rao Joshi:
Shri Hukam Chand Kachwal:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) the steps which Government have taken to secure the release of fighters for Goa's freedom, Mr. Mohan Ranade and Dr. Telo Mascarenhas, who are still under detention in Portugal; and

(b) whether the attention of the U.N. Secretary-General has been drawn to this and his good offices sought in the matter?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) All possible efforts have been made and continue to be made for the release of Shri Mohan Laxman Ranade and Dr. Mascarenhas, through the good offices of friendly countries.

The matter was also taken up through the International Committee of the Red Cross and the Amnesty International. A Portuguese lawyer was engaged to pursue the case with the Portuguese authorities.

The Government of India has also sought the good offices of the Holy See in this regard.

(b) The matter does not fall within the sphere of U.N. Secretary General's

पंजा साहिब (पाकिस्तान) के तीर्थयात्री

*30. **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
श्री मुकमल चन्द कच्छवाज :
श्री राम सिंह भायरवाल :
श्री प्रताप दास :

क्या बेंदेशिक-कार्य मंत्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वैशाखी के पर्व पर पंजा साहिब (पाकिस्तान) की यात्रा पर गये हुए व्यक्तियों के साथ पाकिस्तान सरकार ने दुर्व्यवहार किया था ; और

(ख) यदि हाँ, तो इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

बेंदेशिक-कार्य मंत्री (श्री मु० क० चावला) : (क) और (ख) . इस मान प्रश्न में वैशाखी के भ्रमर पर जो तीर्थयात्री पश्चिम पाकिस्तान में पंजा साहिब गए थे, उन्हें कुछ दिक्कतें पैदा हुईं जो मुख्यतः इस कारण हुई थी कि विभिन्न तीर्थयात्री दलों में संगठित नेतृत्व की कमी थी और उनके लिए बनाये गये प्रोग्राम में आखिरी वक्त पर कुछ परिवर्तन कर दिए गए थे। कुछ धार्मिक संगठनों के जिन नेताओं ने वैशाखी तीर्थयात्रा में भाग लिया था उनका कहना है कि पाकिस्तान के कुछ अधिकारियों का रवैया मदद करने का नहीं था। सरकार उन कठिनाइयों की जांच कर रही है जो तीर्थयात्रियों को पैदा हुईं थीं, ताकि कार्य विधि में सुधार किया जा सके।

Foreign Film Festivals

I. Shri Baburao Patil: Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) the names of foreign Film Festivals